(a) the qualifications and training required for a Telegraphist in the P&T Departmest;

(b) whether it is a fact that the qualifications and training required for a Telegraphist in the P & T Deptt. are the same as required for a Teleprinter Operator in some other Departments;

(c) whether the emoluments of Telegraphists in the P & T Deptt. are lower than those of Teleprinter operators in other Departments; and

(d) if so, the reasons therefor?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) Matriculation or equivalent examination. Training period is 9 months.

(b) In the absence of the names of other Departments being specified, it is not possible to make a comparative analysis.

(c) The pay scale of telegraphists in the P. & T. Department is Rs. 110 to 240, with 3 advance increments on completion of training. In the absence of names of other Departments being specified, it is not possible to make a comparative analysis.

(d) In view of reply to (c) above, the question does not arise.

District Telegraph Office, Varanasi

154. Shri Satya Narain Singh: Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether Government have considered the proposal to acquire the Hathua Kothi of Varanasi for the new building of District Telegraph Office, Varanasi;

(b) if so, the decision taken in the matter; and

(c) the steps taken to expedite the acquisition?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral):

(a) Yes.

(b) and (c). A negotiation Committee has been appointed to negotiate with the owner, the price of the property, and the Committee is likely to meet the owner in early May, 67.

Telegraph Employees

155. Shri E. K. Nayanar: Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether the services of any of the telegraph employees or workers in Palghat Circle have been terminated by the Department;

(b) if so, the number of employees thus involved and the reasons therefor; and

(c) whether Government propose to re-consider their demands and the cancellation of retrenchment order?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) There is no Palghat Circle. It is presumed that Honourable Member's reference is to Palghat Departmental Telegraph Office. If so, there has been no such case.

(b) and (c). Do not arise.

Repatriates from Ceylon

156. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Labour and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) the number of persons of Indian origin repatriated from Ceylon so far since the treaty for giving statehood to such persons was signed with Ceylon Government; and

(b) the details as to where and how far they have been settled?

The Minister of State in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Shri L. N. Misra): (a) Repatriation of per-

sons of Indian origin under the Indo-Ceylon Agreement 1964 has not yet commenced.

(b) Does not arise.

जन शक्ति योजना के सम्बन्ध में प्रशिक्षण

157. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जन शक्ति योजना के सम्बन्ध मे प्रशिक्षण-कार्य आरम्भ किया गया है ; और

(ख) यदि हा, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) (क) नई दिल्ली की व्यावहारिक जन शक्ति अनुसन्धान सस्था ने उपक्रमो के स्तर पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 31-1-67 से 11-2-1967 तक चलाया। इस सस्था की स्थापना 1962 में भारत सरकार द्वारा की गई थी और जन शक्ति आयोजन तथा प्रशासन के लिये व्यावसायिक तकनीक मे उच्चतर प्रशिक्षण प्रदान करना इस संस्था के उद्देश्यो मे से एक है।

(ख) सरकारी तथा निजी क्षेत्रो के उपक्रमो द्वारा नामित 24 व्यक्तियो ने इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस पाठ्यक्रम में भाषणो, वाद विवादो तथा अभिषद-सत्र का सचालन, निजी तथा सरकारी क्षेत्रो के उपक्रमो, सरकारी विभागो तथा व्यावहारिक जन शक्ति अनुसन्धान सस्था में जन शक्ति आयोजन के विभिन्न पहलुओ के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। यह पाठ्यक्रम इस प्रकार का बनाया गया था कि इसमे भाग लेने वालो को जन शक्ति आयोजन की समेकित प्रकृति का, उन विभिन्न तत्वो का जिन्हें ध्यान में रखना होता है तथा औद्योगिक उपक्रमो में जन शक्ति आयोजन के लिये काम मे लाये जाने वाले विभिन्न तत्वों के बारे में ज्ञान प्राप्त कराया जा सके।

पुस्तकों को जब्त करना

158. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1966-67 में उनके मन्त्रालय ने कितनी पुस्तकें जब्त कीं; और

(ख) उन पुस्तको के शीर्षक क्या हैं ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल): (क) गृह मन्त्रालय द्वारा 1966-67 में 5 पुस्तको अथवा प्रकाशनो के विरुद्ध जब्ती के आदेश अधिसूचित किये गये थे।

(ख) सभा पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

विवरण

1. द नागाज-इंडियाज प्रोब्लम और द वर्ल्डस ? द सर्च फ़ार पीस।
2. गोआ-इन्वोकैडा ना असैम्बलियां नेशनल (लिसबोआ) ई ना कमारा डास कामन्स लंदन)।
3. जिहाद।
4. ताशकन्द डिक्लेरेशन एण्ड द प्राब्लम आफ इंडो-पाक माइना-रिटीज।
5. पीपल आफ़ इंडिया, डिफेंस योर सैल्ज।

सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप

159. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1966-67 में केन्द्रीय सरकार के कितने राजपत्रित पदाधिकारियो के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलो की जांच की गई; और